

**Code No.: BFVDJ-41**

Total No. of Questions : 2

Total No. of Printed Pages : 2

**स्नातकपरीक्षा:- २०१५**

**बि.ए. - विद्वन्मध्यमा - प्रथमवर्षम्**

**शास्त्रम् - ज्योतिषम्**

**भाग: - २, पत्रिका - ३**

**विषय: - लीलावती, बीजगणितम् च**

**दिनाङ्क: - 1-4-2015**

**गरिष्ठाङ्का: - १००**

**समय: - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.**

**Max. Marks - 100**

**भाग: (अ) - लीलावती (४०)**

**I. पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः**

१. घनानयनक्रमं विलिख्य 27 इत्यस्य घनमानयत। 8
२. 1953125 एतस्य घनमूलं साधयत। 8
३. ग्रन्थोक्तदिशा वर्गानयनप्रकारान् विलिख्य 5432 इत्यस्य वर्गं साधयत। 8
४. भाज्याद्भ्ररः शुध्यति यद्गुणः स्यादन्त्यात् फलं तत् खलु भागहारे। समेन केनाप्यपवर्त्य हारभाज्यौ भजेद्वा सति सम्भवेतु। सोदाहरणं व्याख्यात। 8
५. (क) इष्टोनयुक्तेन गुणेन निघ्नः अभीष्टघनगुणयान्वित वर्जितो वा। विवृणुत।  
(ग) कार्यः क्रमादुत्क्रमतोऽथवाङ्कयोगो यथास्थानकमन्तरं वा। विवृणुत। 2 × 4 = 8
६. टिप्पणीरारचयत। 2 × 4 = 8  
अ) परार्धम्  
आ) अङ्गुलम्  
इ) निष्कः  
ई) खर्वः

**Code No.: BFVDJ-41**

**भाग: (क) – बीजगणितम् (६०)**

**II. पञ्चप्रश्नाः समाधेयाः**

**5 × 12 = 60**

१. -या३ -का२ + नी१ + रु१ = गुण्यः  
-या६ -का४ + नी२ + रु२ = गुण्यकः गुणनफलमानयत।
२. रु.१०. क२४, क४०, क६० ससूत्रं करणीमूलं साधयत।
३. भाष्यः १००, हारः ६३, क्षेपः ९० कुट्टकगणितं कुरुत।
४. पुरप्रवेशे दशदो द्विसङ्गुणं विधाय शेषं दशभुक् च निर्गमे।  
ददौ दशैवं नगरत्रयेऽभवत् त्रिनिघ्नमाद्यं वद तत् कियद्भनम्॥ निरूपयत।
५. रु. ३००, ६ अश्वाः = रु. १००. १० अश्वाः साधयत।
६. सप्रयोजनं स्थिरकुट्टकं व्याख्यात।